हंसध्वनि

पवन हंस ई-पत्रिका हंसध्वनि

हिंदी दिवस विशेषांक

(14.09.2021 से 28.09.2021)

पवन हंस लिमिटेड

जो पुस्तकें हमें सोचने के लिए विवश करती हैं, वे हमारी सबसे अच्छी सहायक हैं।

****** पंडित जवाहर लाल नेहरू ******

हमारी *उड़ान* आपके लिए

आज़ादी का अमृत महोत्सव

हमारी दृष्टि:

“यात्रियों को विश्व श्रेणी की संरक्षित, सुरक्षित, संधारणीय, वहनीय विमानन सेवाओं के अवसर प्रदान करना”

हमारा ध्येय:

“हैलीकॉप्टर तथा सी-प्लेन सेवाओं में बाजार के नेतृत्व की प्राप्ति, फिक्स्ड विंग्स वाले छोटे विमानों से क्षेत्रीय वायु सम्पर्कता उपलब्ध करवाना तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप मरम्मत एवं ओवरहॉल की सेवाएं उपलब्ध करवाना।“

हिंदी के द्वारा ही सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है ।

***** स्वामी दयानन्द *****

अनुक्रमणिका

संरक्षक

श्री संजीव राजदान
अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक

परामर्शदाता
एयर कमोडोर टी ए दयासागर
पूर्णकालिक निदेशक

संपादक
श्री एच.एस. कश्यप
संयुक्त महाप्रबंधक (मासं एवं प्रशा)/ सर्वकार्य प्रभारी राजभाषा)

उप-संपादक

श्री गणेश बर्मन
अनुभाग अधिकारी (राजभाषा)

निष्पादक

सुश्री रेखा रानी, आशुलिपिक (हिंदी)

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सचिव, नागर विमानन मंत्रालय का संदेश	04
2.	संयुक्त सचिव, नागर विमानन मंत्रालय का संदेश	05
3.	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश	06
4.	सहायक निदेशक (राजभाषा), नागर विमानन मंत्रालय का संदेश	07
5.	कार्यपालक निदेशक का संदेश	08
6.	संयुक्त महाप्रबंधक (मासं एवं प्रशा)/ सर्वकार्य प्रभारी राजभाषा) की कलम से...	09
7.	राजभाषा प्रतिज्ञा- सर्दव ऊर्जावान: निरंतर प्रयासरत	10
8.	पवन हंस के सूचना पट्ट में अगस्त-सितंबर, 2021 के दौरान प्रदर्शित अंग्रेजी - हिंदी	11
9.	कविता कोश - सांझा मंच	12
10.	खिडकियों के इस पार ओर उस पार....	-
11.	नीला आसमान	-
12.	अपने घर पर रहिये	-
13.	जीव जंतु की सुरक्षा	13
14.	भारत सरकार, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा राजभाषा के कार्यान्यवन हेतु वर्ष 2021-22 के लिए निर्धारित लक्ष्य	14
15.	राजभाषा अधिनियम की धारा (3) के अंतर्गत आने वाले दस्तावेज	15
16.	हिंदी के सफल कार्यान्वयन के लिए 12 प्र की रूपरेखा	
17.	ई-ऑफिस: हिंदी में भी आसान	16-17
18.	हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार समारोह-2020	18
19.	संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा मुंबई, पक्षे का निरीक्षण दिनांक 26.08.2021 की कुछ झलकियां	19
20.	कोरोना में बदलते जीवन का स्वरूप	20
21.	विचार प्रवाह	21
22.	वर्ग पहेली	22
23.	सेवानिवृत्ति एक लंबी छुट्टी की तरह है......	23
24.	विदाई समारोह की कुछ झलकिया	24
25.	हिंदी दिवस/पखवाड़ा के दौरान कार्यालय में हिंदी कार्यशाला के आयोजन की कुछ झलकियां	25
26	पवन हंस की राष्ट्रव्यापी स्थिति	26

हिंदुस्तान की आम भाषा अंग्रेजी नहीं, हिंदी है।

******महात्मा गांधी जी******

प्रदीप सिंह खरोला
Pradeep Singh Kharola

सत्यमेव जयते

सचिव
भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
नई दिल्ली-110 003

SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CIVIL AVIATION
NEW DELHI-110 003

संदेश

मुझे अत्यधिक प्रसन्नता है कि पवन हंस लिमिटेड द्वारा राजभाषा ई-पत्रिका 'हंसध्वनि' को हिंदी दिवस के विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया गया है । राजभाषा हिंदी के प्रयोग व प्रचार के क्षेत्र में गृह पत्रिकाओं की अहम भूमिका रही है ।

मानव को श्रेष्ठतम जीव माना गया है और इसलिए हमारा कर्म भी श्रेष्ठ होना चाहिए । कला और संस्कृति से जुड़े रहकर, हम सृजनात्मक कार्य करते रहेंगे तो अवश्य ही हम पाएंगे कि हमारा स्वयं का जीवन, हमेशा एक सर्वांगीण प्रगति की दिशा में अग्रसर हो रहा है, जिसके लिए हिंदी भाषा ने एक सूत्र के रूप में सभी भारतीयों को जोड़ने का काम किया है । पवन हंस लिमिटेड के समस्त कार्मिकों को, मैं उनके द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रसार-प्रचार के संबंध में किए जा रहे प्रयास के लिए हार्दिक बधाई देता हूं और साथ ही भविष्य में भी इस प्रयास को और अधिक गति देने हेतु अनुरोध करता हूं ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

(प्रदीप सिंह खरोला)

Room No. 293, B-BLOCK, RAJIV GANDHI BHAWAN, SAFDARJUNG AIRPORT, NEW DELHI-110 003
TEL. : 011-24610358, FAX : 011-24602397 E-mail : secy.moca@nic.in

हिंदी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। ****डॉ. संपूर्णानंद****

अंशुमाली रस्तोगी
Angshumali Rastogi

संयुक्त सचिव
भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
नई दिल्ली-110 003

JOINT SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CIVIL AVIATION
NEW DELHI-110 003

संदेश

सर्व प्रथम पवन हंस लिमिटेड द्वारा राजभाषा ई-पत्रिका 'हंसध्वनि' को हिंदी दिवस विशेषांक के रूप में प्रकाशित किए जाने पर, पवन हंस लिमिटेड के समस्त कार्मिकों को, उनके सराहनीय प्रयास के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं ।

हिंदी हमारी राजभाषा है और हम सभी का यह कर्तव्य है कि हिंदी में कार्य करते हुए गर्व महसूस करें । यह हम सभी का संवैधानिक दायित्व है कि हम राजभाषा से संबंधित सरकारी निदेशों और अनुदेशों का उसी दृढ़तापूर्वक पालन करें, जिस प्रकार हम अन्य सरकारी निदेशों और अनुदेशों का करते हैं ।

मुझे विश्वास है कि 'हंसध्वनि' का यह ई-प्रकाशन, प्रेरणा स्रोत के रूप में होगा और पवन हंस के सभी कार्मिकों को अधिकाधिक कार्य हिंदी में करने हेतु प्रेरित करेगा और राजभाषा हिंदी को सर्वोच्चता तक पहुंचाने में हर सम्भव प्रयास करेगा ।

शुभकामनाओं के साथ,

(अंशुमाली रस्तोगी)

हिंदी जैसी सरल भाषा दूसरी नहीं है। ****मौलाना हसरत मोहानी****

श्री संजीव राजदान
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
पवन हंस लिमिटेड

संदेश

सभी पवन हंस कर्मियों को हिन्दी दिवस एवं गणेश उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं।

गणेश जी को सुख-स्मृद्धि, ज्ञान-विज्ञान एवं बुद्धिमत्ता का देवता माना जाता है क्योंकि वह सभी प्रकार के दुखों का हरणकर्ता भी है, गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर मैं इश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि अपना आशीर्वाद पवन हंस और हम सभी पर बनाए रखें।

हिंदी जिसे हम अपनी राष्ट्रभाषा मानते हैं वह, संपूर्ण विश्व की सबसे सरल, बोली और सहज लिखी जाने वाली भाषा है। पवन हंस लिमिटेड में हर कर्मचारी का एकमुश्त प्रयास रहता है कि जहां तक संभव हो वह अपना कार्य हिंदी में करे और हिंदी भाषा को बढ़ाने के लिए वे आपसी आचार-विचार अपने सहकर्मियों और अन्य लोगों के साथ हिंदी भाषा में करते हैं जो कि भारतीयता का प्रतीक है।

भविष्य में, पवन हंस के लिए वर्ष 2021-22 एक ऐतिहासिक वर्ष के रूप में देखा जाएगा। जब इसके बेड़े में '05' सिकोरस्की एस76डी हेलीकॉप्टर लीज़ पर शामिल होना सुनिश्चित हो गया है। प्रथम हेलीकॉप्टर पवन हंस के पश्चिमी क्षेत्र में आ गया है और शीघ्र ही परिचालन सेवाओं में जुड़ जाएगा। इसी क्रम में, 'चार' अन्य एस76डी हेलीकॉप्टर भी शीघ्र ही प्राप्त होंगे और उन्हें भी पवन हंस के बेड़े में गर्व के साथ जोड़ा जाएगा जो पवन हंस के सभी कर्मियों के लिए एक गौरव का विषय है।

मेरा पवन हंस के सभी अधिकारियों / कर्मचारियों से अनुरोध है कि वे अपने दैनिक कामकाज में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करने का संकल्प लें कि दिन-प्रतिदिन हिंदी में कार्य का प्रयोग बढ़ाएं और भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा दिए गए वार्षिक कार्यक्रम 2021-22 के लक्ष्यों को पूरा करें।

पुनः आपको और आपके परिवार को हिंदी दिवस एवं गणेश उत्सव की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

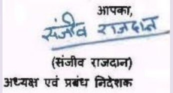

(संजीव राजदान)

हिंदी भारतीय संस्कृति की आत्मा है। ** कमलापति त्रिपाठी******

राकेश कुमार
Rakesh Kumar
सहायक निदेशक (रा.भा)
Assistant Director (O.L)

भारत सरकार
नागर विमानन् मंत्रालय
नई दिल्ली - 110 003
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CIVIL AVIATION
RAJIV GANDHI BHAWAN, SAFDARJUNG AIRPORT,
NEW DELHI - 110 003

संदेश

हार्दिक प्रसन्नता होती है जब राजभाषा हिंदी में कार्य होता है, गृहपत्रिका का प्रकाशन भी इसमें शामिल है । हिंदी दिवस / हिंदी पखवाड़ा के शुभ अवसर पर पवन हंस लिमिटेड द्वारा अपनी ई-पत्रिका 'हंसध्वनि' के हिंदी दिवस विशेषांक का प्रकाशन, एक सराहनीय कार्य है । हिंदी में जितना लेखन कार्य होगा, उतना ही अधिकाधिक राजभाषा हिंदी का प्रचार और प्रचार बढ़ेगा । हिंदी हर प्रकार से एक समृद्ध भाषा है और इसका प्रचार-प्रसार करना हम सबका कर्तव्य है ।

कहा और माना जाता है कि किसी की भी प्रतिभा छुपी नहीं रह सकती और बात सही भी है । जिन प्रतिभावान कार्मिकों ने अपने व्यस्ततम समय में से समय निकाल कर, 'हंसध्वनि' में अपनी रचनाओं को प्रकाशित करवाया है,मैं उन्हे अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद रखता हूं कि आने वाले समय में भी, वे इसी प्रकार अपनी रचनाओं को प्रकाशन हेतु उपलब्ध करवाएंगे और अपने सहकर्मियों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे तथा अपने दैनदिन कार्य में हिंदी का प्रयोग बढ़ाएंगे । पत्रिका के ई-प्रकाशन के लिए पवन हंस लिमिटेड को मेरी असीम शुभकामनाएं ।

(राकेश कुमार)

हिंदी भाषा एक ऐसी सार्वजनिक भाषा है, जिसे बिना भेदभाव प्रत्येक भारतीय ग्रहण कर सकता है। ****मदन मोहन मालवीय****

एयर कमोडोर टी ए दयासागर (सेवानिवृत्त)
कार्यपालक निदेशक
पवन हंस लिमिटेड

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि पवन हंस द्वारा हिंदी गृह पत्रिका हंसध्वनि का वर्ष 2021-22 का प्रथम अंक प्रकाशित किया जा रहा है। पवन हंस के राजभाषा अनुभाग द्वारा प्रकाशित यह पत्रिका प्रधान कार्यालय, सभी क्षेत्रीय कार्यालयों एवं परिचालन बेसों के कर्मचारियों की रचनात्मक प्रतिभा को उजागर करने का अवसर प्रदान करती रही है और आगे भी करती रहेगी ।

हिंदी ने अपनी मौलिकता, सरलता एवं सुबोधता के बल पर ही भारतीय संस्कृति और साहित्य को जीवंत बनाये रखा है। राजभाषा हिंदी का क्षेत्र निरंतर बढ़ रहा है और समय के साथ हिंदी सूचना और प्रौद्योगिकी के साथ जुड़कर निरंतर आगे कदम बढ़ा रही है। हंसध्वनि में प्रकाशित लेख, कविताएं कर्मचारियों को साहित्यिक अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करती है। हमारा उद्देश्य होना चाहिए कि सूचना क्रांति के इस युग में हिंदी किसी भी भाषा से कमतर नहीं रहे और यही संदेश हम इस पत्रिका के माध्यम से आप सभी को प्रेषित करना चाहते हैं। प्रचालन एवं तकनीकी मैनुअल सभी विदेशी निर्माताओ के बनाए गए, अंतरर्राष्ट्रीय मापदण्डों के आधार पर है परंतु जिन क्षेत्रों में संभव है वहां पर अभियांत्रिकी एवं प्रचालन विभागों में भी हिंदी का प्रयोग किया जा रहा है और इस तरह हिंदी का प्रयोग दिनों दिन और अधिक बढ़ता जा रहा है। जब तक भाषा का प्रयोग सार्वजनिक नहीं हो, तकनीकी प्रयोग मुश्किल लगता है। जैसे-जैसे हिंदी भाषा सार्वजनिक होती जाएगी तकनीकी क्षेत्र में भी हिंदी के प्रयोग में बढ़ोतरी होती जाएगी। पवन हंस इसका जीता जागता उदाहरण है। 4-5 साल पहले पवन हंस ने यह बीड़ा उठाया था कि हिंदी का हर क्षेत्र में प्रयोग होगा, तब से पवनहंस में हर क्षेत्र में हिंदी के प्रयोग में बढ़ोतरी हुई है। हम जानते हैं कि हमारे पूर्वज संस्कृत भाषा का पारम्परिक प्रयोग करते थे, परंतु आज संस्कृत मुख्यतः पूजा पाठ की भाषा बनकर रह गई है | अगर इस समय हम हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा नहीं देंगे तो उसका भी यही हाल होगा। इसलिए हिंदी भाषा के उत्थान एवं प्रचलन के उद्देश्य से हंसध्वनि एक अच्छा कदम एवं प्रयास है |

मुझे विश्वास है कि इस पत्रिका के माध्यम से पवन हंस के क्षेत्रीय कार्यालयों और परिचालन बेसों में सृजनात्मक सहयोग बढ़ेगा और राजभाषा हिंदी को एक नई दिशा मिलेगी। राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में हंसध्वनि सफलता के नये मुकाम हासिल करेगी | इस विश्वास के साथ समस्त पवनहंस परिवार को गणेश चतुर्थी एवं हिंदी पखवाड़ा/दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं ।

**** जय हिंद ****

(एयर कमोडोर टी ए दयासागर)

(एयर कमोडोर टी ए दयासागर)

मैं, उन लोगों में से हूँ जो चाहते हैं और जिनका विचार है कि हिंदी ही भारत की राष्ट्रभाषा हो सकती है ****लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक****

एच एस कश्यप
प्रधान संपादक
संयुक्त महाप्रबंधक (मासं व प्रशा)/ सर्व. प्रभा. राभा
पवन हंस लिमिटेड

संदेश

पवन हंस की गृह पत्रिका हंसध्वनि का नवीन अंक आप सभी के समक्ष रखते हुए बहुत खुशी महसूस हो रही है, क्योंकि हिंदी पखवाड़ा के दौरान पत्रिका का प्रकाशन अपने आप में बड़े गर्व की बात है। इस पत्रिका के माध्यम से पवन हंस के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने उत्कृष्ट रचनाओं को प्रकाशित करने का अवसर प्राप्त होता है। साथ ही यह पत्रिका छिपी प्रतिभा को उजागर करने का एक सशक्त माध्यम भी है।

हमारा सदैव प्रयास रहा है कि पवन हंस के कार्मिक अधिकाधिक अपनी बेहतरीन मौलिक रचनाओं के माध्यम से हंसध्वनि से जुड़े ताकि इस मंच के माध्यम से उन्हें अपनी लेखन कौशल दिखाने का अवसर मिल सके।

इस अंक में शामिल राजभाषा प्रतिज्ञा, कविता कोश राजभाषा अधिनियम के प्रावधान इत्यादि पर प्रकाश डालते हुए, पाठको को यह बताना चाहता हूँ कि सभी विषय ज्ञानवर्धक एवं रोचक है और अवश्य पढ़े।

पवन हंस वर्तमान में, भारत के स्वतंत्रता के 75वें वर्ष भी मना रहा है और इस उपलक्ष्य में हिंदी सप्ताह के दौरान 75 पौधों को लगवाना भी तय है, जिसमें हमारा देश हमेशा हरा-भरा एवं उल्लास से आजादी के पंखों से लहलहाता रहेगा।

आशा करता हूँ कि यह अंक आप सभी प्रिय पाठको को पिछले अंको की तरह पसंद आएगा और हंसध्वनि पत्रिका को बेहतर बनाने हेतु, आपके सुझावों की अपेक्षा रहेगी।

हिंदी दिवस के साथ आपको एवं आपके परिजनों को गणेश चतुर्थी एवं अन्य आने वाले पर्वों की ढेर सारी शुभकामनाओं सहित।

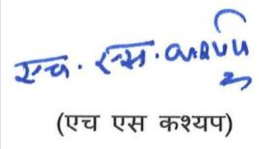

(एच एस कश्यप)

राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है।
******महात्मा गांधी******

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राजभाषा विभाग
(सदैव ऊर्जावान: निरंतर प्रयासरत)

<u>राजभाषा प्रतिज्ञा</u>

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 और 351 तथा राजभाषा संकल्प 1968 के आलोक में हम केंद्र सरकार के कार्मिक यह प्रतिज्ञा करते हैं कि अपने उदाहरणमय नेतृत्व और निरंतर निगरानी से अपनी प्रतिबद्धता और प्रयासों से प्रशिक्षण और प्राइज़ से अपने साथियों में राजभाषा प्रेम की ज्योति जलाये रखेंगे, उन्हें प्रेरित और प्रोत्साहित करेंगे अपने अधीनस्थ के हितों का ध्यान रखते हुए अपने प्रबंधन को और अधिक कुशल और प्रभावशाली बनाते हुए राजभाषा – हिंदी का प्रयोग, प्रचार और प्रसार बढ़ाएंगे। हम राजभाषा के संवर्द्धन के प्रति सदैव ऊर्जावान और निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

जय राजभाषा, जय हिंद

हिंदी ही भारत की राष्ट्रभाषा हो सकती है।
****** बी. कृष्णस्वामी अय्यर******

शब्दावली

पवन हंस के सूचना पट्ट में अगस्त-सितंबर, 2021 के दौरान प्रदर्शित अंग्रेजी - हिंदी

1.	Complaint	परिवाद, शिकायत
2.	Compliance	अनुपालन, पालन
3.	Complimentary	मानार्थ
4.	Compulsory	अनिवार्य, बाध्य
5.	Concession	रियायत
6.	Concurrence	सहमति
7.	Condition	शर्त, प्रतिबंध, दशा, स्थिति
8.	Condone	माफ करना, मार्जन करना
9.	Conduct	आचरण, कार्य-संचालन
10.	Confidential letter	गोपनीय पत्र
11.	Confidential clerk	अंतरंग लिपिक
12.	Confirm	पुष्टि करना
13.	Conformity	अनुरूपता, अनुसरण
14.	Consent	सम्मति, सहमति
15.	Consignee	परेषिती
16.	Consignment	परेषण
17.	Consultation	परामर्श
18.	Context	संदर्भ, प्रकरण, प्रसंग
19.	Contingencies	आकस्मिक व्यय, फुटकर
20.	Contingency	विशेष स्थिति, आकस्मिकता
21.	Contract	संविदा, ठेका
22.	Contractor	ठेकेदार, संविदाकार
23.	Contravention	उल्लंघन
24.	Contribution	योगदान
25.	Contributory provident fund	अंशदान, अंशदायी भविष्य-निधि
26.	Controlling officer	नियंत्रण अधिकारी
27.	Convene	संयोजन करना , बुलाना
28.	Conveyance	वाहन, सवारी
29.	Co-opt	सहयोजित करना
30.	Correspondence	पत्र-व्यवहार

हिंदी भाषा एक ऐसी सार्वजनिक भाषा है, जिसे बिना भेद-भाव प्रत्येक भारतीय ग्रहण कर सकता है।

****मदन मोहन मालवीय****

खिड़कियों के इस पार और उस पार ...

पुराना साल बटोरने मे लगा है
अपना साजो सामान
और मैं हूँ हैरान, थोड़ा परेशान

सोच सोच कर
कि क्या होगा इतना आसान
छोड़ कर सब कुछ, निकल पड़ना

न लौटने के लिए फिर कभी।

थामे उँगलियाँ गुजरे सालों की
पहना के मुझे अपनी केंचुलियाँ
निकल पड़ता है वक्त, न जाने किस राह

हर बार।

खुली खिड़कियों से
मैं करता रहता हूँ कोशिश
झाँकने की
धुंध के महासागर के उस पार;
और साथ ही साथ
इस किनारे, गिनता रहता हूँ परतें

फीके चकत्तों वाली, पुरानी भुरभुरी टूटती सी

केंचुलियों की।
मेरे भाई !

क्यूँ हो तुम इतने बेरहम
तुम जानते हो
किस शिद्दत से थामी हैं मैने
उँगलियाँ तुम्हारी;
फिर क्यूँ हर बार, नए साल की दहलीज पर
फिसल जाता है कितना कुछ
मेरी उँगलियों से |

बेहिसाब वक्त की परतों मे
झलकती हैं मायूसियाँ
खुली खिड़कियों के इस पार
और बंद खिड़कियों के भीतर
यादें मुस्कराती हैं
जाम छलकते हैं, पर एकाकी मन
करता रहता है कोशिश
झाँकने की, खुली खिड़कियों से,
धुंध के उस पार ...।

श्री बी.वी. बदुनी
विंग कमाण्डर (से.नि.)
महाप्रबंधक (परिचालन)

नीला आसमान

अब मुझे खुला छोड़ दो देख लेने दो
नीले आसमान की ओर, उन सितारों की तरह,
फासले बहुत हैं मंज़िल के
मगर दिल में टीस है कामयाबी की,
हार जाऊँगी अपने सफर में ये मैं जानती नहीं,
ज़िंदगी एक सफर है तो निश्चय मेरा दृढ़ अटल है,
आज समेट लेने दो उन बिखरे हुए सपनों को जो वर्षों से ओझल पड़े इन आँखें में,
बस अब मुझे खुला छोड़ दो नीले आसमान में उन सितारों की तरह....

भारती करन,
एसोशिएट (आंतरिक लेखा परीक्षा)

भारतीय भाषाएं नदियां हैं और हिंदी महानदी। *****रवींद्रनाथ ठाकुर****

अपने घर पर रहिये

अपने-अपने घर पर रहिए
कोरोना से बचकर रहिए,
सुबह-शाम रामायण देखकर,
राम-राम जपते रहिए।

मोदी जी देखा बताए रहे हैं,
घर में रहो समझाए रहे हैं,
कम से कम उनकी तो सुनिए,
अपने-अपने घर पर रहिए।

सबसे दूरी बनाकर रहिए,
चेहरा हमेशा ढक कर रहिए,
हाथ बराबर धोते रहिए,
अपने-अपने घर पर रहिए।

देखों तुम बाहर मत जाओ,
अपनी बीमारी कभी न छिपाओं,
डॉक्टर के संपर्क में रहिए,
अपने-अपने घर पर रहिए।
कोरोना से हम जीत जाएंगे,
संकट के बादल छंट जाएंगे,
बस थोड़ दिन ऐसे ही रहिए,
अपने-अपने घर पर रहिए।

मीना छाबड़ा, (सचिवीय अधिकारी)
सीपीएमएस, प्रधान कार्यालय

जीव जंतु की सुरक्षा

पृथ्वी एक मात्र ग्रह है जिसमें जीवन है। ये जीवन मात्र इसिलिए संभव है क्योंकि पृथ्वी पर हर प्रकार के जीव जंतु हैं। ये जीवन चक्र का संतुलन बनाये रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अच्छा जीवन गुजारने के लिए मनुष्य और पशु दोनों का सहयोग जरूरी है। पशु मनुष्य की तरह बोल नहीं सकते, इसका मतलब यह नहीं की उन्हें हानि पहुचाये।

कुछ महीने पहले केरल में एक हाथी को पटाकों गई। उसके साथ एक नवजात हाथी भी मर गया। मनुष्य को है। वे बेजुबान है इसका ये मतलब
पशुओं में घृणा, जलन, क्रूरता के भाव नहीं मनुष्य की कठोरता से वो प्रेम का भाव डर में जंगल काट दिए और अब कई बार तेंदुये और आती है। सच तो यह है कि वो हमारे घर में

आलिया हैदर, स्टेशन प्रबंधक,
(सी.पी.ऍम.एस.)

से भरा अन्नानास दे कर उसकी हत्या कर दी पशुओ को भी जीने का उतना ही हक है जितना नहीं की उन्हें दर्द नहीं होता।

होते, बल्कि उनमें तो बस प्रेम का भाव है। बदल जाता है। मनुष्य ने भारत के 99.9% जंगली जानवरों की गावों में आने की शिकायतें नहीं बल्कि हम उनके घर में घुस आये हैं।

क्यों न आज एक नई कोशिश करें, अपने घरों के बाहर परिन्दों का घर लगाये और थोड़ा दाना और पानी रख दें । क्यों न इस बार परिन्दो के मरने का नहीं, जीने का कारण बने।

हिंदी पढ़ना और पढ़ाना हमारा कर्तव्य है, उसे हम सबको अपनाना है।
******लाल बहादुर शास्त्री******

राजभाषा विभाग,गृह मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा राजभाषा के कार्यान्वयन हेतु वर्ष 2021-22 के लिए निर्धारित लक्ष्य

क्र.सं	कार्य विवरण	अपेक्षित लक्ष्य		
		"क" क्षेत्र	"ख"क्षेत्र	"ग"क्षेत्र
1.	हिंदी में मूल पत्राचार (ई-मेल सहित)			
	क क्षेत्र से	100%	100%	65%
	क क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति	100%	100%	--
	ख क्षेत्र से	90%	90%	55%
	ख क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति	90%	90%	--
	ग क्षेत्र से	55%	55%	55%
	ग क्षेत्र क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति	55%	55%	--
2.	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना	100%	100%	100%
3.	हिंदी में टिप्पण	75%	50%	30%
4.	हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम	70%	60%	30%
5.	हिंदी टंकण करने वाले कर्मचारी एवं आशुलिपिक की भर्ती	80%	70%	40%
6.	हिंदी में डिक्टेशन/की बोर्ड पर सीधे टंकण (स्वंय तथा सहायक द्वारा)	65%	55%	30%
7.	हिंदी प्रशिक्षण (भाषा,टंकण,आशुलिपि)	100%	100%	100%
8.	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	100%	100%	100%
9.	जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल वस्तुओं अर्थात हिंदी ई-पुस्तक,सीडी / डीवीडी, पैनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिंदी में अनुवाद पर व्यय की गई राशि सहित हिंदी पुस्तकों की खरीद पर किया गया व्यय	50%	50%	50%
10.	कंप्यूटर सहित सभी प्रकार के इलेक्टॉनिक उपकरणों की द्विभाषी रूप में खरीद	100%	100%	100%
11.	वेबसाइट द्विभाषी हो	100%	100%	100%
12.	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्डों आदि का प्रदर्शन द्विभाषी हो	100%	100%	100%
13.	(i) मंत्रालयों/विभागों और कार्यालयों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों) द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण (कार्यालयों का प्रतिशत) (ii) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण	25% (न्यूनतम) 25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम) 25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम) 25% (न्यूनतम)
14.	राजभाषा संबंधी बैठकें (क) हिंदी सलाहकार समिति (ख) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ग) राजभाषा कार्यान्वयन समिति	वर्ष में 2 बैठकें (प्रति छमाही एक बैठक) (प्रति तिमाही एक बैठक)		
15.	कोड,मैनुअल,फॉर्म,प्रक्रिया और साहित्य का हिंदी अनुवाद	100%	100%	100%
16.	मंत्रालयों / विभागों/ कार्यालयों /बैकों/उपक्रमों के ऐसे अनुभाग जहां संपूर्ण कार्य हिंदी में हों	40%	30%	20%

प्रांतीय ईष्या, द्वेष को दूर करने में जितनी सहायता हिंदी प्रचार में मिलेगी, उतनी दूसरी किसी से नहीं मिल सकती - ****सुभाष चंद्र बोस****

राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले कागजात

1.	कार्यालय आदेश	Office Order
2.	परिपत्र	Circulars
3.	संकल्प	Resolutions
4.	नियम	Rules
5.	ज्ञापन	Memorandum
6.	अधिसूचनाएं	Notifications
7.	प्रशासनिक एवं अन्य प्रतिवेदन	Administrative & Other Reports
8.	प्रेस विज्ञप्तियां	Press Communiques
9.	संविदा	Contracts
10.	करार	Agreements
11.	अनुज्ञप्तियां	Licences
12.	अनुज्ञा पत्र	Permits
13.	निविदा सूचनाएं तथा निविदा प्रारूप	Tender Notices & Forms of Tender

उपयुक्त सभी कागजात हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में जारी करना अनिवार्य है।

हिंदी के सफल कार्यान्वयन के लिए *12 प्र* की रूपरेखा

गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी राजकीय प्रयोजनों में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार बढ़ाने तथा विकास की गति की तीव्र करने संबंधी संवैधानिक दायित्वों को पूर्ण के संबंध में हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा *स्मृति विज्ञान* से प्रभावित होकर राजभाषा हिंदी के सफल कार्यान्वयन के लिए 12प्र की रूपरेखा बनाई है जिसके स्तंभ हैं:

प्रेरणा (Inspiration and Motivation)
प्रोत्साहन (Encouragement)
प्रेम (Love and affection)
प्राइज़ अर्थात पुरस्कार (Rewards)
प्रशिक्षण (Training)
प्रयोग (Rewards)

प्रचार (Advocacy)
प्रसार (Transmission)
प्रबंधन (Administration and Management)
प्रमोशन (पदौन्नति) (Promotion)
प्रतिबद्धता (Commitment)
प्रयास (Efforts)

राष्ट्रभाषा का प्रचार करना मैं राष्ट्रीयता का एक अंग मानता हूँ।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

ई-ऑफिस में काम : हिंदी में भी आसान

ई-ऑफिस एक वेब आधारित एप्लीकेशन है, जो इंटर और इंटा दोनों सरकारी प्रक्रियाओं/सूचनाओं की शेयरिंग को प्रोत्साहित करता है। यह दस्तावेजों पर मैन्यूअल कार्य न करके इलेक्ट्रॉनिक तरीके से कार्य कर पेपरलेस वातावरण तैयार करता है। यह एक कार्यप्रवाह (workflow) प्रणाली है। जो पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाता है एवं दायित्व निर्धारित करता है। इससे फाइलों पर लगने वाले समय भी कम होता है और डाटा सुरक्षित रहता है। इस एप्लीकेशन में हिंदी एवं स्थानीय भाषाओं में कार्य करने की सुविधा भी दी गई । इसमें फाइल को पोस्ट/मेल के माध्यम से डिस्पैच करने की सुविधा है तथा एक फाइल/रसीद को किसी अन्य फाइल/रसीद के साथ अटैच भी किया जा सकता है। ई-ऑफिस में विविध मॉड्यूटल हैं: नॉलेज मैनजमेंट, फाइल मैनेजमेट सिस्टम तथा पर्सनल इंफोरमेशन मैनेजमेंट सिस्टम आदि।

आज पूरा विश्व संकट के दौर से गुज़र रहा है। ऐसे में अर्थव्यवस्था को बनाए रखने के लिए अधिकांश कार्यालयों का कार्य ई-ऑफिस के माध्यम से किया जा रहा है। हमारे कार्यालय में ई-ऑफिस में कार्य किया जा रहा है। चूंकि ई-ऑफिस का पूरा सिस्टम अंग्रेजी में बनाया गया है तथापि इसमें हिंदी में भी कार्य किया जा सकता है। ई-ऑफिस में हिंदी में काम करने के लिए समान्य जानकारी आवश्यक है जिसके आधार पर आप ई-ऑफिस में न केवल अंग्रेजी में बल्कि हिंदी में भी काम आसानी से कर पाएंगे। इसमे केवल यूनिकोड का ही प्रयोग किया जा सकता है।

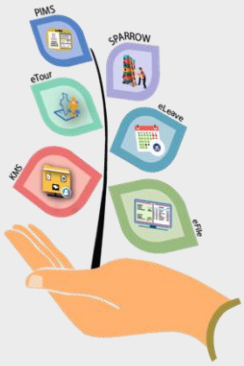

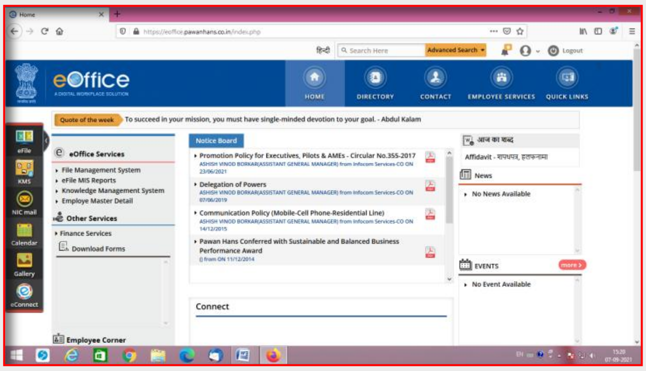

ई-ऑफिस के होम पेज को अंग्रेजी या हिंदी वर्जन में परिवर्तित किया जा सकता है। होम पेज पर फाइल प्रबंधन प्रणाली (File Management System) पर क्लिक करने के बाद ई-ऑफिस की जो विंडो ओपन होती है उसमें **ब्राउज़ एंड डायरीज** करते समय हिंदी या अंग्रेजी के किसी भी दस्तावेज़ को पीडीएफ बनाकर अपलोड करने के बाद **डायरी डिटेल्स** में दिए गए विकल्पों को भरना होगा। यह विकल्प पहले से ही अंग्रेजी में डाले गए हैं। ई-ऑफिस में जो विवरण पहले से ही अंग्रेजी में है, उसे आप किसी अन्य भाषा में नहीं बदल सकते किंतु जहां स्वयं आपको विवरण या विषय देना है, उसे आप हिंदी या अन्य भारतीय भाषाओं में टाइप कर सकते हैं। तो आप उसे हिंदी में भर सकते हैं और उसके बाद **ऐड टू एड्रेस बुक** के विकल्प को क्लिक कर दें। इससे एक बार विवरण हिंदी में भरने के बाद जब भी आप यह प्रक्रिया दोबारा करेंगे आपका नाम, पदनाम आदि विवरण जो हिंदी में आपने भरा था, वह इस पर आ जाएगा। इसी प्रकार **कैटेगरी एंड सब्जैक्ट** में **मेन कैटेगरी** के विकल्प

पहले से ही अंग्रेजी में हैं परंतु **सब्जैक्ट** में आप हिंदी में विवरण भर सकते हैं।

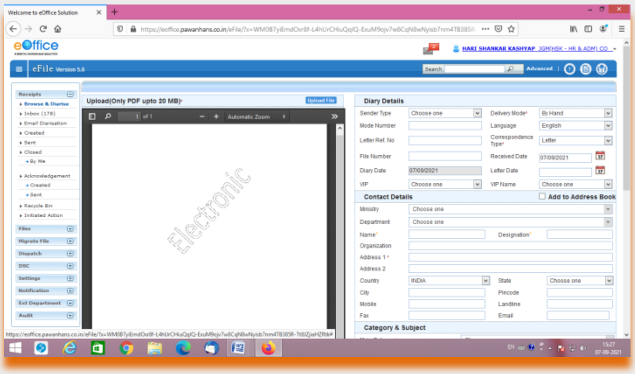

इसी तरह, **सेन्ड** करते समय रिमार्क्स में भी हिंदी में विवरण भरा जा सकता है। इसके अतिरिक्त, नई फाइल बनाते हुए डिस्क्रिप्शन एवं रिमार्क्स भरते समय हिंदी भाषा का प्रयोग किया जा सकता है।

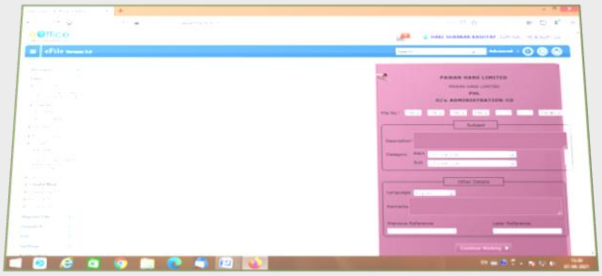

फाइल में टिप्पणियां भी हिंदी या अंग्रेजी भाषा में की जा सकती हैं। कई बार नोटिंग करते समय छोटी-छोटी टिप्पणियों का प्रयोग अधिकतर किया जाता है। इसके लिए नोटिंग टाइप करते समय बाई और ऊपर की तरफ **क्विक नोटिंग** का विकल्प दिया गया है। जिस पर क्लिक करते ही पहले से ही दी गई हिंदी एवं अंग्रेजी की छोटी-छोटी नोटिंग सामने दिखने लगती है। जिसमें अनुमोदित, अनुमति दी जाती है, आदेशार्थ/अनुमोदनार्थ आदि अनेक टिप्पणियां दिखाई देती हैं, जिनका विषय के अनुसार चयन करते, उन क्लिक करते ही वह नोटिंग पृष्ठ पर आ जाती है।

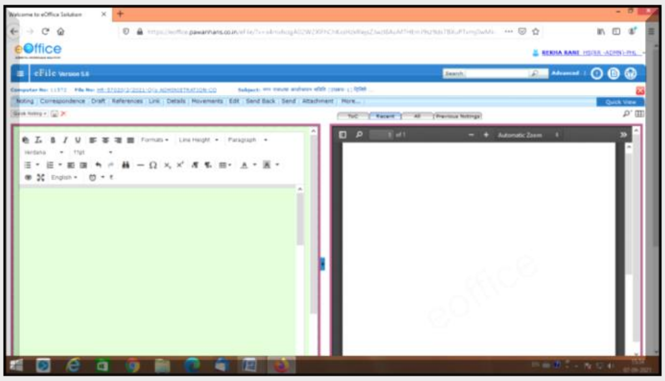

हमारी नागरी लिपि दुनिया की सबसे वैज्ञानिकलिपि है। ****राहुल सांकृत्यायन**

हिंदी पखवाड़ा पुरस्कार समारोह

वर्ष 2020 में नागर विमानन मंत्रालय में हिंदी पखवाड़ा के दौरान हुई प्रतियोगिताओं में, श्री संजीव राजदान, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पवन हंस लिमिटेड को श्री सुमित जैरथ (भा.प्र.से.) सचिव (राजभाषा) गृह मंत्रालय द्वारा पवन हंस में ***"अधिकाधिक हिंदी में कार्य"*** करने एवं गृह पत्रिका ***"हंसध्वनि"*** के लिए वर्ष 2020 में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री प्रदीप कुमार खरौला, (सचिव) नागर विमानन मंत्रालय व श्री अरविंद सिंह, (चैयरमैन) एएआई भी उपस्थित थे।

गृह पत्रिका द्वितीय पुरस्कार

राजभाषा गौरव पुरस्कार

हिंदी में अधिकाधिक कार्य के लिए द्वितीय पुरस्कार

श्री सुमित जैरथ एवं श्री संजीव राजदान पुरस्कार प्राप्त करते हुए

सचिव (गृह मंत्रालय) एवं अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पवन हंस

पवन हंस कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक महोदय के साथ

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा मुंबई, पश्चिमी क्षेत्र का निरीक्षण की कुछ झलकियां

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा दिनांक 26.08.2021 को पवन हंस लिमिटेड के पश्चिमी क्षेत्र कार्यालय मुम्बई का प्रोफेसर @बी.जोशी की अध्यक्षता में निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान नागर विमानन मंत्रालय के अधिकारी एवं पवन हंस लिमिटेड के श्री संदीप कुमार गाबा, स्थानापन्न महाप्रबंधक, पश्चिमी क्षेत्र, श्री असित मिंज़, उप-महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन), श्री एच एस कश्यप, विभागाध्यक्ष(मानव संसाधन एवं प्रशासन)/ सर्वकार्य प्रभारी (राजभाषा), प्रधान कार्यालय, श्री गणेश बर्मन, अनुभाग अधिकारी (राजभाषा), प्रधान कार्यालय और श्री घनश्याम बसवाल, अनुभाग अधिकारी (राजभाषा) पश्चिमी क्षेत्र उपस्थित थे।

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा निरीक्षण का शुभारंभ

श्री प्रदीप टम्टा
संसद सदस्य (राज्य सभा)

प्रो. रीता बहगुणा जोशी
संसद सदस्य (लोक सभा)

श्री मनोज कुमार तिवारी,
संसद सदस्य

श्रीमती रमा वर्मा, निदेशक,
नागर विमानन मंत्रालय

श्री संदीप कु. गाबा, पक्षे एवं
श्री एचएस कश्यप, प्रका

पवन हंस कार्यलय के अधिकारी

ना.वि.मं. से श्री राकेश मलिक
एवं श्री गजेंद्र जी

श्री गणेश बर्मन एवं श्री घनश्याम बसवाल

संसदीय राजभाषा समिति के सदस्य निरीक्षण के संबंध में वार्तालाप करते हुए

जिस देश को अपनी भाषा और साहित्य के गौरव का अनुभव नहीं है वह उन्नत नहीं हो सकता।

******डॉ. राजेंद्र प्रसाद******

कोरोना में बदलता जीवन का स्वरूप

मानव सभ्यता विकास की सभ्यता है। मानव जब से अस्तित्व में आया निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। ऊंची-ऊंची इमारतें सड़कों पर भागती तेज गाड़ियां आसमान में उड़ते जहाज और टेलीविजन इंटरनेट, आज का मानव चांद तक पहुंच गया है और मंगल पर पहुंचने की तैयारी में प्रयासरत है। इस सदी का सबसे बड़ा चमत्कार मोबाइल फोन है, जो आज सबके हाथों में पहुंच गया है और दुनिया जैसे सिमटकर हमारी मुट्ठी तक पहुंच गई है, लेकिन पिछले डेढ़ साल से प्रकृति ने इस उड़ते भागते मानव को कोरोना के रूप में ऐसी पटखनी है कि वह चारों खाने चित पड़ा है।

डेढ़ साल पहले कोरोना नाम के एक वायरस ने मानव के जीवन में ऐसी घुसपैठ की है कि हमारी सभी रोजमर्रा की गतिविधियों को बहुत ही सीमित कर दिया है। यह वायरस ऐसा फैला कि मानों सब कुछ थम सा गया है। स्कूल-कॉलेज बंद, दफ्तर बंद, उद्योग धंधे बंद, बाजार बंद उड़ते जहाज रुक गए, ट्रेन रुक गई, बच्चों का खेलना-कूदना बंद। पूरी मानव जाति को केवल घर में कैद रहने पर विवश कर दिया है।

जीवन में जिंदगी को ऐसा खतरा हो गया है कि इंसान, इंसान से ही भयभीत हो रहा है व एक दूसरे से दूरी बना कर जी रहा है। बीमारी में आप घरवालों से दूर, आप को कोई छू भी नहीं सकता । इम्यूनीटी, कवांरनटीन, आइसोलेशन आदि नए शब्द हमारी रोजमर्रा के शब्दों में जुड़ गए हैं। मास्क और सैनिटाइजर हमारे लिए रोटी और पानी से ज्यादा अनिवार्य हो गए हैं। परिवारजनों के साथ खुशियां मनाना, दोस्तों से मिलना-जुलना, शादी-विवाह में शामिल होना, त्यौहार मनाना और शोक में शामिल होना आदि सब सीमित हो गये हैं।

मानव अकेला सा हो गया है, यहां तक की समाज से कटकर सिर्फ अपने परिवार तक ही सीमित होकर जीने को मजबूर हो गया है। उस पर कहर यह है कि अगर कोरोना से संक्रमित हो गए तो अपने कमरे में अकेले बंद । अस्पताल में अकेले मौत से लड़ते हुए सब से कटे हुए पड़े हैं और अगर जिंदगी की जंग हार गए तो चार कंधे भी आपको नसीब नहीं हो रहें हैं। अस्पताल के कुछ कर्मचारी ही आपको प्लास्टिक कवर में लपेटकर आपकी अंतिम यात्रा की औपचारिकताओं जैसे तैसे पूरा कर रहें हैं। आपका धन-दौलत, जायदाद, मकान-दुकान एवं विलासिता की सारी वस्तुएं सब यूं ही पड़े रह गए । आप की अस्थियां तक हरिद्वार भी नहीं पहुंच पाई।

अब मुखिया का मुखिया अपने परिवार के समीप आ गया है । वह पिताजी जो रविवार को ही मिलते थे नास्ता व खाना परिवार साथ खा रहा है । घर पर सब मिलजुल कर काम करने लगे हैं । घर की रोटी की कदर होने लगी है । समोसे पिज़्ज़ा बंद हो गए तो घर पर बने पकौड़े पूरी आलू आज के बच्चों को भी पंसद आ रहें है । लूडो, कैरम खेलना रोज का नियम हो गया। इंटरनेट से पढ़ाई और दफ्तर चलने लगे है । इंटरनेट से दूरदराज के भाई बंधुओं से बात होने लगी है । परिवार, दोस्त, रिश्तेदार अचानक ज्यादा प्रिय लगने लगे है । परिवार के 10 सदस्य ही शादी में शामिल हो रहे है । लेकिन खुशी भी महसूस हो रही है कि घर के आंगन में छोटे से मंडप में शादी सिर्फ अपने खास लोगों के बीच हो रही है और साथ में मां के हाथ की बनी खीर-पूड़ी खाकर आनंदित हो रहें है ।

अब माहौल थोड़ा सा सुधर रहा है। लोग घर से बाहर निकलने लगे है। स्वास्थ्य कर्मियों ने थोड़ी राहत की सांस ली थी कि खतरा फिर से सिर पर मंडराने लगा स्वास्थ्य कर्मियों को शत-शत नमन है कि निरंतर कोरोना से जीतने की उनकी जंग दिन-रात जारी है । कभी जीत मिलती है तो खुशी होती है और कभी हार होती है तो मायूसी ।

कोई 80 साल का बुजुर्ग करोना से जंग जीत कर घर पहुंचता है तो फूलों की बारिश से उसका स्वागत होता है। कुछ डॉक्टर व स्वास्थ्यकर्मी तो घर परिवार भूलकर सिर्फ मानवता की सेवा करने में जुटे हैं।

जीवन का स्वरूप बदल गया है। न तो बच्चे स्कूल जाते हैं, न ही बाहर खेलते हैं। न ही ज्यादातर लोग दफ्तर जाते हैं। लेकिन जीवन तो चलने का नाम है । धीरे धीरे चल रहे हैं नए-नए रास्ते ढूंढ रहे हैं। गाड़ियां, ट्रेनें व हवाई जहाज सब थम गए थे तो वातावरण व आसमान में जैसे तारे बढ़ गए थे । प्रकृति की इस मार से अगर मानव कुछ सबक ले विकास की इस अंधाधुंद दौड़ की रफ्तार कम कर दें तो शायद आने वाले वक्त में प्रकृति मानव को माफ कर सके।

चेतन बहल

विभागाध्यक्ष (एमआरओ) प०क्षे०

हिंदी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्रोत है। ****सुमित्रानंदन पंत****

विचार प्रवाह

"जब तक हम किसी भी काम को करने की कोशिश नहीं करते हैं, तब तक हमें वो काम नामुमकिन ही लगता है।"

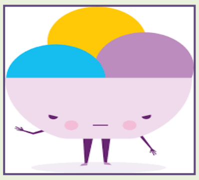

"प्रेम एक ऐसा अनुभव है जो मनुष्य को हारने नहीं देता, और घृणा एक ऐसा अनुभव है जो इंसान को कभी जीतने नहीं देता।"

"जिसे दिन आप बुरे विचारों के ऊपर अच्छे विचार रख देंगे, जिन्दगी खुदबखुद और बेहतरीन हो जाएगा।"

"जिन्दगी हमें हमेशा एक नया पाठ पढ़ाती है, लेकिन हमें समझाने के लिए नहीं बल्कि हमारी सोच बदलने के लिए"

"समय धन से अधिक मूल्यवान है, इससे अधिक धन तो आप पा सकते हैं, लेकिन अधिक समय आप नहीं पा सकते"

"अपनी ऊर्जा को अधिक चिंता करने से बेहतर है, इसका उपयोग समाधान ढूंढने में किया जाए।"

"बीता हुआ कल बदला नहीं जा सकता, लेकिन आने वाला कल हमेशा आपके हाथ में होता है"

राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी हमारे देश की एकता में सबसे अधिक सहायक सिद्ध होगी, इसमें दो राय नहीं। ****जवाहरलाल नेहरू**

वर्ग पहेली

वर्ण एवं स्वरों के मिलने से शब्दों की रचना होती है और सार्थक शब्दो के समूह को वाक्य कहते हैं। भाव को व्यक्त करने के लिए और वाक्यों का उचित प्रयोग हेतु, शब्दो का ज्ञान अति आवश्यक है। आइये, आमतौर में हिंदी भाषा को कितना जानते हैं। नीचे दिए गए वाक्य में कुछ शब्द अदृश्य हैं आपको अपनी हिंदी भाषा के ज्ञान एवं अनुभव के आधार पर इस ढांचें वर्ग पहेली को पूरा करना है और अपने जवाब दिनांक 10.10.2021 तक श्री गणेश बर्मन, अनुभाग अधिकारी, राजभाषा को भिजवा सकते हैं। विजेताओं को शील्ड एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

(एच.एस. कश्यप)

म		स		म		द		भ
	ह		र		धि		प	
नू		धा		रा		ट्र		म
	त्रा				1		7	
डा		स		भा		ती		ता
	य		ख		सं		ट	
प्र		3		हिं		ठ		प्र
	4		ड़ा		ला		चा	
ग		1		य		थ		र

हिंदी का प्रश्न स्वराज का प्रश्न था।

******महात्मा गांधी******

"सेवानिवृत्ति एक लंबी छुटी की तरह है"

सेवानिवृत्ति हर कर्मचारी के जीवन का एक उत्कृष्ट हिस्सा है। रिटायर होने के लिए खुद को मानसिक और भावनात्मक रूप से तैयार करना पड़ता है। यह हर कर्मचारी के जीवन के सबसे अच्छे क्षणों में से एक है। यह एक ऐसा अवसर है जिसका हर व्यक्ति को इंतजार रहता है। सेवानिवृत्त लोगों की भलाई के लिए प्लानिंग करना अति आवश्यक है। लेकिन वास्तव में एक सेवानिवृत्त व्यक्ति के जीवन में क्या होता है?

जब भी कोई व्यक्ति सेवानिवृत्त होता है तो वह अक्सर भावुक हो जाता है। यह हर किसी के लिए एक भावनात्मक क्षण होता है क्योंकि उस कार्यालय को छोड़ना वाकई मुश्किल होता है जहां एक व्यक्ति ने इतने सालों तक काम किया है। यह क्षण कई लोगो के लिए बहुत कठिन होता है। इस साल इतने सारे कर्मचारी इस कार्यालय से सेवानिवृत्त हुए। यह उन सभी के लिए कितना भावुक करने वाला क्षण था।

जब भी कोई व्यक्ति सेवानिवृत्त होता है तो वह मानसिक तनाव से मुक्त हो जाता है। वे अपने परिवार के साथ अधिक से अधिक समय बिताने में सक्षम हो पाते हैं। वे शांति और खुशी से भरा जीवन जी पाते हैं। वे ऑफिस के काम के बजाय अपने परिवार के सदस्यों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।

प्रत्येक सेवानिवृत्त व्यक्ति का जीवन कार्य के दौरान कड़ी मेहनत एवं लगन से भरा होता है। प्रत्येक सेवानिवृत्त व्यक्ति को जो सुखी जीवन मिलता है, वह सब उनके समर्पण का परिणाम है। कामकाजी जीवन शैली के दौरान कम्रचारी अपनी देखभाल ठीक से नहीं कर पाते हैं। वे अन्य स्थानों की यात्रा करने और अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने के अपने सपनों को पूरा करने में सक्षम हो पाते हैं। सेवानिवृत्ति एक ऐसा समय है जो हर व्यक्ति को इन सपनों को पूरा करने की अनुमति देता है। सेवानिवृत्ति वास्तव में जीवन की एक नई यात्रा की शुरूआत है।

तो इस कार्यालय के सभी सेवानिवृत्त लोगो के लिए मेरा विशेष संदेश:

सेवानिवृत्ति सड़क का अंत नहीं है, यह एक नए राजमार्ग की शुरूआत है -

जान्हवी कटारिया
सुपुत्री विजयपाल कटारिया

हिंदी का प्रचार और विकास कोई नहीं रोक सकता। ****पंडित गोविंद वल्लभ पंत****

विदाई समारोह की कुछ झलकियां

पवन हंस लिमिटेड के प्रधान कार्यालय से वर्ष 2021 में सेवानिवृत्त अधिकारी व कर्मचारी

श्रीमती सुनीता महान, सहायक प्रबंधक, 31 मई, 2021

श्री के. रमेश, सहायक प्रबंधक, 31 जुलाई, 2021

श्रीमती सुषमा रघुवंशी, अनुभाग अधिकारी, 31 जुलाई, 2021

श्री उमेश चंद, सहायक प्रबंधक, 31 अगस्त, 2021

हिंदी भारत की राजभाषा तो है ही , यही जनतंत्रात्मक भारत में राजभाषा भी होगी।

******सी. राजगोपालाचारी******

हिंदी दिवस/पखवाड़ा के दौरान कार्यालय में हिंदी कार्यशाला के आयोजन की कुछ झलकियां

दिनांक 14.09.2021 से 28.09.2021 तक पवन हंस कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है जिसके दौरान कार्यालय में कई गतिविधियों को आयोजन किया जा रहा है जिसमें दिनांक 23.09.2021 को हिंदी कार्यालय के आयोजन की कुछ झलकियां प्रदर्शित की जा रही हैं।

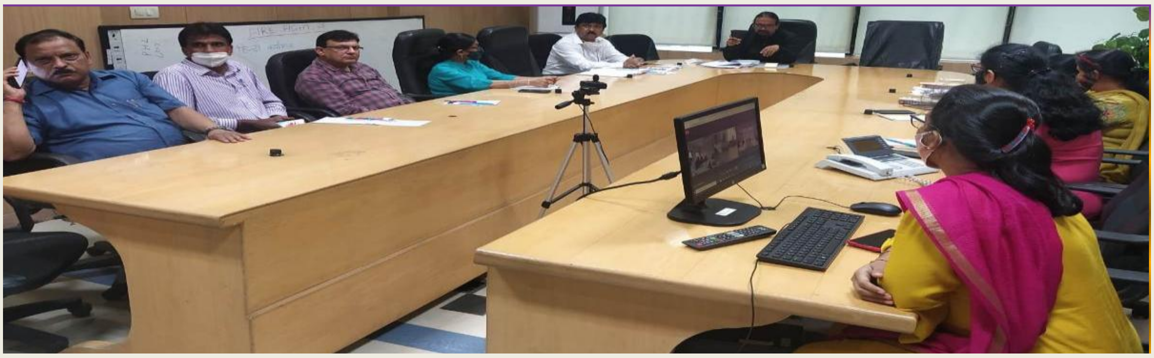

भारत स्वाधीन होगा और उसकी राष्ट्रभाषा होगी हिंदी।

****सुभाषचंद्र बोस****

पवन हंस लिमिटेड की राष्ट्रव्यापी स्थिति

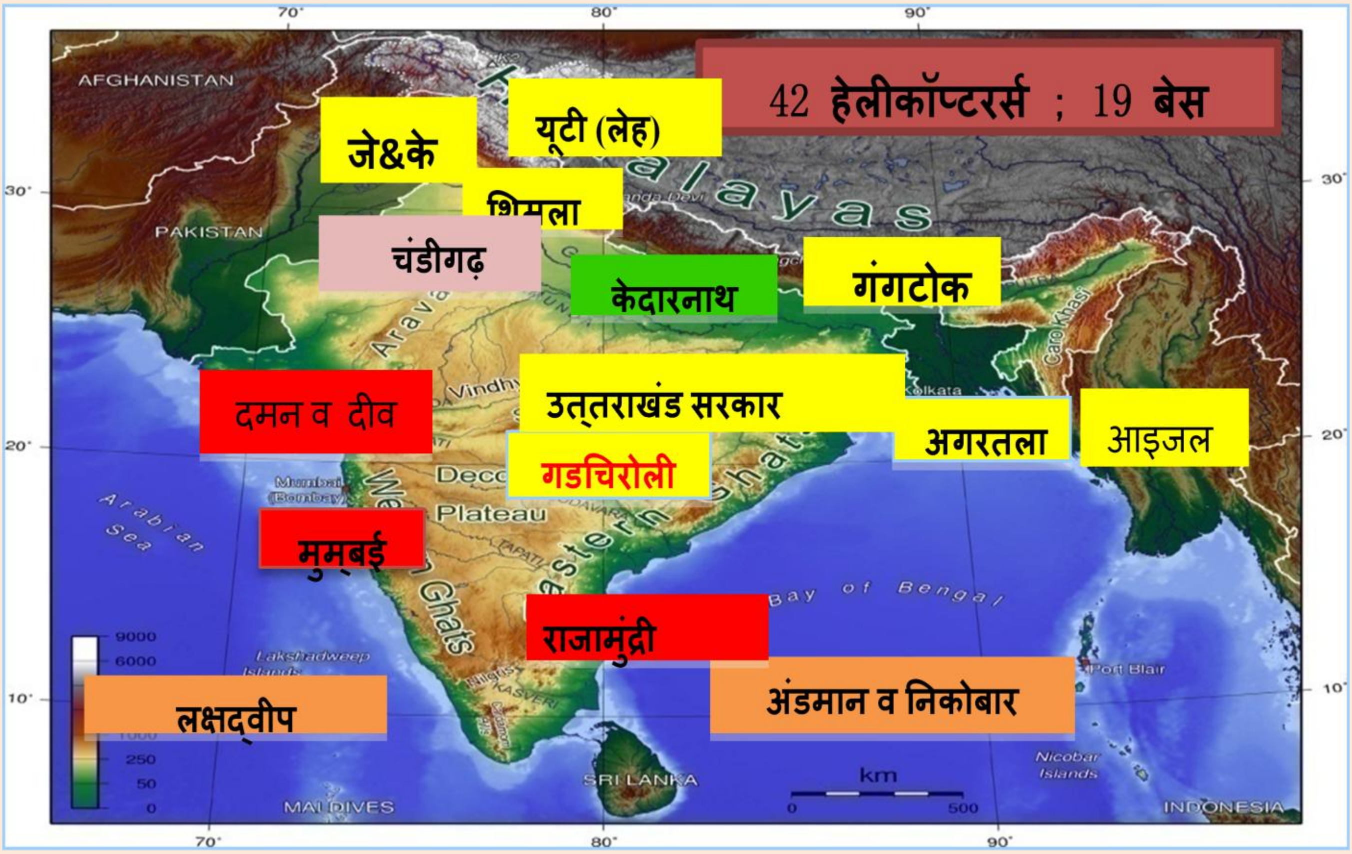

पवन हंस लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

प्रधान कार्यालय
सी-14, सेक्टर-1,
नोएडा (यूपी)

उत्तरी क्षेत्र
रोहिणी हेलीपोर्ट,
सेक्टर-36, रोहिणी, नई दिल्ली - 110085

पश्चिमी क्षेत्र,
जुहू हवाई अड्डा, एस.वी. रोड,
विले पार्ले (पश्चिम) मुंबई - 400056

इस ई-पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार संबंधित लेखकों के हैं। मौलिकता एवं अन्य किसी विवाद के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी होंगे। संपादक मंडल / पवन हंस लिमिटेड से इसकी सहमति होना आवश्यक नही हैं।

संपादकीय पता : पवन हंस लिमिटेड, प्रधान कार्यालय, सी-14, सैक्टर-1, नोएडा-201301 (उत्तर प्रदेश), दूरभाष संख्या 0120-2476734, फैक्स-0120-2476978, ई-मेल:rajbhasha.ol@pawanhans.co.in